A-628

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DMA-103

ज्योतिषशास्त्र में विविध व्याधि योग

Diploma in Medical Astrology (DMA)

1st Year Examination 2024 (June)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : इस प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना हैं। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

खण्ड–'क'(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

P.T.O.

Q.1. कालपुरूष की अवधारणा से आप क्या समझते है? विस्तार से लिखें।

Q.2. कालपुरूष से रोगों का विचार कैसे किया जाता है? विस्तार से वर्णन करें।

Q.3. कर्ण रोग, नासिका रोग एंव गला रोग का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

Q.4. जानु एंव पाद रोग का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

Q.5. वक्ष रोग एंव क्षय रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

अथवा

"रोग" परीक्षण की ज्योतिषीय विधि का उल्लेख कीजिये।

खण्ड–'ख'(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. मुख रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

Q.2. नेत्र रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

Q.3. हृदय रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

Q.4. दन्त रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

Q.5. चर्म रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

Q.6. गुप्त रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

Q.7. स्त्री रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

Q.8. बाल रोगों का ज्योतिषशास्त्रीय विश्लेषण कीजिए।

****